vinetur

CFTC अध्यक्ष ने एल्यूमीनियम मूल्य निर्धारण में Midwest Premium की समीक्षा का आदेश दिया

इस जांच से बीयर निर्माताओं और अन्य पेय कंपनियों की कैन लागत, आपूर्ति अनुबंध और हेजिंग प्रभावित हो सकती है

सोमवार, 16 नवंबर 2026



Beer Business Daily ने सोमवार, 16 नवंबर को खबर दी कि Commodity Futures Trading Commission के अध्यक्ष Michael Selig ने एल्यूमीनियम मूल्य निर्धारण की व्यवस्थाओं, जिनमें Midwest Premium भी शामिल है, की समीक्षा का निर्देश दिया है और संभावित सुधार के विकल्प मांगे हैं।

यह कदम उस मुद्दे को संबोधित करता है जिसे बीयर निर्माता और एल्यूमीनियम के अन्य बड़े उपयोगकर्ता वर्षों से उठाते रहे हैं। Midwest Premium वह शुल्क है जो आम तौर पर उत्तरी अमेरिका में धातु की आपूर्ति की लागत दर्शाने के लिए एल्यूमीनियम के बेंचमार्क मूल्य में जोड़ा जाता है। व्यवहार में, यह कई भौतिक आपूर्ति अनुबंधों में इस्तेमाल होने वाले एल्यूमीनियम की कीमत का अहम हिस्सा बन गया है, जिसमें पेय पदार्थों की कैन में इस्तेमाल होने वाली धातु भी शामिल है।

बीयर कंपनियों के लिए यह मुद्दा कमोडिटी बाजार की संरचना से कहीं आगे तक जाता है। एल्यूमीनियम पैकेजिंग की एक बड़ी लागत है, खासकर उन बीयर निर्माताओं के लिए जो कैन पर काफी निर्भर हैं। प्रीमियम की गणना या उपयोग के

तरीके में बदलाव से आखिरकार पेय उद्योग में कैन की लागत, खरीद अनुबंध और हेजिंग रणनीतियां प्रभावित हो सकती हैं। इसमें बीयर, कैन में बिकने वाले कॉकटेल और एल्यूमीनियम पैकेजिंग पर निर्भर अन्य पेय शामिल हैं।

Beer Business Daily के अनुसार, Selig ने Beer Institute की वार्षिक बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा की। प्रकाशन ने इस घटनाक्रम को दशकों से चली आ रही ऐसी बहस में एक अहम बदलाव बताया, जिसमें बीयर निर्माताओं और अन्य औद्योगिक खरीदारों के लिए बहुत कम प्रगति हुई है। Beer Business Daily ने यह भी बताया कि Selig की टिप्पणी के बाद Beer Institute की लंबे समय से जनरल काउंसल Mary Jane Saunders ने इस घटनाक्रम को "हमारे लिए बहुत बड़ी बात" कहा।

Beer Institute लंबे समय से यह तर्क देता रहा है कि यह प्रीमियम बीयर निर्माताओं की लागत ऐसे तरीकों से बढ़ाता है जिनका एल्यूमीनियम के उत्पादन या उपभोग की बुनियादी अर्थव्यवस्था से हमेशा सीधा संबंध नहीं होता। मूल्य निर्धारण व्यवस्था के आलोचकों का कहना है कि प्रीमियम पर केवल धातु की मौजूदा आपूर्ति और मांग ही नहीं, बल्कि भंडारण, लॉजिस्टिक्स, वित्तपोषण की स्थितियों और बाजार संरचना जैसे कारकों का भी असर हो सकता है। बीयर निर्माताओं के लिए ये शिकायतें अहम रही हैं, क्योंकि एल्यूमीनियम की कीमतें बढ़ने पर पैकेजिंग लागत तेजी से बदल सकती है और बड़े उत्पादक अक्सर महीनों पहले कैन खरीदते हैं और जोखिम से बचाव के लिए हेजिंग करते हैं।

CFTC की भूमिका अहम है, क्योंकि यह अमेरिकी डेरिवेटिव बाजारों की निगरानी करती है, जहां एल्यूमीनियम से जुड़े जोखिम का प्रबंधन अक्सर वायदा और संबंधित अनुबंधों के जरिए किया जाता है। आयोग के नेतृत्व में होने वाली किसी भी समीक्षा से इस बात पर ध्यान जा सकता है कि संदर्भ कीमतें कैसे तय होती हैं, बाजार के भागीदार अनुबंधों में उनका इस्तेमाल कैसे करते हैं और क्या मूल्य निर्धारण व्यवस्था के कुछ हिस्से वास्तविक अर्थव्यवस्था में एल्यूमीनियम का उपयोग करने वाली कंपनियों के लिए विकृतियां पैदा करते हैं। Beer Business Daily की खबर में समीक्षा की समयसीमा नहीं दी गई और न ही यह बताया गया कि सुधार के प्रस्ताव किस रूप में हो सकते हैं।

यह अनिश्चितता पेय कंपनियों के लिए मायने रखती है, क्योंकि सीमित तकनीकी बदलाव के भी व्यापक असर हो सकते हैं। बीयर निर्माता और अन्य पेय उत्पादक सिर्फ तत्काल बाजार की कीमतों पर कैन नहीं खरीदते। उनमें से कई दीर्घकालिक आपूर्ति समझौतों, कैन निर्माताओं और हेजिंग कार्यक्रमों के जरिए काम करते हैं, जो किसी न किसी रूप में मान्य एल्यूमीनियम बेंचमार्क से जुड़े होते हैं। Midwest Premium में बदलाव का असर तुरंत या सभी पर एक समान नहीं हो सकता, लेकिन इससे यह प्रभावित हो सकता है कि आपूर्तिकर्ता कैन की कीमत कैसे तय करते हैं और पेय कंपनियां धातु की लागत में उतार-चढ़ाव के जोखिम का प्रबंधन कैसे करती हैं।

इस मुद्दे पर पहले भी वॉशिंगटन में ध्यान दिया गया है, खासकर उन दौरों में जब व्यापार प्रतिबंधों, आपूर्ति में रुकावट या लॉजिस्टिक्स की बाधाओं के कारण अमेरिका में एल्यूमीनियम की लागत वैश्विक बेंचमार्क से ऊपर चली गई। निर्माताओं के लिए इन बढ़ोतरी को वहन करना कठिन हो सकता है, खासकर अधिक उत्पादन और कम मार्जिन वाले कारोबार में। बीयर उद्योग में, जहां पैकेजिंग इकाई लागत का बड़ा हिस्सा होती है, एल्यूमीनियम की कीमत में मामूली बदलाव भी लाखों कैन पर लागू होने पर मायने रख सकता है।

Selig की टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि इस मुद्दे को अब CFTC के शीर्ष स्तर पर पहले की तुलना में अधिक सीधे तौर पर सुना जा रहा है। यह स्पष्ट नहीं है कि इससे औपचारिक नियम-निर्माण, बाजार अध्ययन या मूल्य निर्धारण की प्रक्रियाओं में बदलाव की सिफारिशें सामने आएंगी। बीयर कंपनियों, कैन निर्माताओं और अन्य पेय उत्पादकों के लिए यह समीक्षा इस संभावना का रास्ता खोलती है कि एल्यूमीनियम बाजार में शामिल लंबे समय से विवादित लागत की नियामकीय स्तर पर अधिक बारीकी से जांच हो।